केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 207 शुक्रवार 21 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बजट से जनपद के विकास को पंख लगने की उम्मीद

संवाददाता–संतकबीरनगर। प्रदेश सरकार के आम बजट से जनपद के विकास को पंख लगने की उम्मीद है। शासन में लटके कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति मिलने के साथ ही धन भी मिल सकता है। इसको लेकर स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने अपने स्तर से पूरा प्रयास किया है। शासन को जो भी प्रस्ताव पूर्व में भेजे गए हैं यदि उसके लिए धन आवंटित होता है तो जिले का पर्यटन के साथ ही सर्वांगीण विकास होगा। बजट में संतकबीरनगर को तरजीह मिले इसके लिए तीनों विधायक काफी प्रयास किया है। अब सभी को इंतजार है गुरुवार को बजट प्रस्तुत होने का।

जिला प्रशासन ने फरवरी 2024 में तहसील क्षेत्र के जंगलऊन में मेडिकल कॉलेज बनाने का प्रस्ताव भेजा है। इसके लिए 15 एकड़ भूमि चिह्नित करते हुए उसे मेडिकल कॉलेज के नाम अभिलेख में दर्ज भी कर दिया गया है। इतना ही नहीं जिला अस्पताल को अपग्रेड करने का भी प्रस्ताव भेजा गया था। मरीजों का इलाज यहां होता। जंगल ऊन में अकेडमिक ब्लाक बनाया जाना है। जो जिला अस्पताल से सिर्फ चार किमी की दूरी पर है। इस बार बजट से उम्मीद है कि मेडिकल कॉलेज के लिए धन मिल सकता है।

जिला बनने के बाद से ही बस डिपो की स्थापना की मांग उठ रही है । पहले इसके निर्माण के लिए भूमि की बाधा थी। जिम्मेदार अधिकारी भूमि की तलाश ही नहीं कर पा रहे थे। लेकिन जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने इस बाधा को दूर कराते हुए मीरगंज में भूमि चिन्हित किया। भूमि का अवंटन बस डिपो के नाम कर दिया गया। इसका प्रस्ताव नवम्बर 2023 में ही भेज दिया गया था। मीरगंज के गाटा संख्या 89, 90, 91, 93 का कुल रकबा 1.503 हेक्टेयर करीब चार एकड़ को परिवहन विभाग के नाम हस्तान्तरित कर दिया गया। लेकिन धन न मिलने के कारण अभी तक कार्य नहीं शुरू हो सका है। इस बार के बजट से सभी को उम्मीद है कि इसे भी स्वीकृति मिल सकती है। बस डिपो न होने से यात्री परेशान होते हैं।

जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने जनपद के पर्यटन विकास को लेकर कई प्रस्ताव शासन को भेजे हैं। बजट में इनके लिए भी धन मिलने की उम्मीद है। इसमें सबसे प्रमुख बखिरा झील का विकास है। हालांकि इसके लिए लगातार धन मिल रहा है। इसका विकास इको टूरिज्म और एग्रो टूरिज्म के रूप में किया जा रहा है।

समय माता मंदिर पर बनेगा प्रवेश द्वार

संवाददाता–बस्ती। बैडा समय माता मंदिर पर 30 लाख की लागत से बनेगा भव्य प्रवेश द्वार राजस्थान के भरतपुर से लाये गये लाल बलुआ पत्थर से होगा निर्माण वृहस्पतिवार को दोपहर बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रवेश द्वार के निर्माण हेतु भूमि और शिलापूजन का हुआ आयोजन।

पारिवारिक कलह से आजिज युवक टॉवर चढ़ा, समझाने पर उतर

संवाददाता–बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के केउवा जप्ती गांव में पारिवारिक कलह से तंग आकर एक युवक टॉवर पर चढ़ गया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पत्नी और पुलिस के समझाने के बाद वह नीचे उतरा।

गांव निवासी 45 वर्षीय वंश बहादुर यादव अचानक एक नेटवर्क कंपनी के टॉवर पर चढ़ गया। उसे चढ़ते हुए देखकर ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में टॉवर के पास भीड़ जुट गई। सूचना के बाद थानाध्यक्ष उमाशंकर त्रिपाठी भी मय फोर्स पहुंच गए। उन्होंने माइक से टॉवर पर चढ़े शख्स को समझाना शुरू किया। पत्नी सुरसती ने भी पति को उतारने के लिए काफी अनुनय विनय किया। करीब दो घंटे के नाटकीय खेल के बाद वह नीचे उतरा। तब जाकर लोगों ने राहत की सास ली। ग्रामीणों के अनुसार वंश बहादुर गृह कलह से परेशान चल रहा है।

यूपी बजट 2025: युवाओं को ब्याज मुक्त लोन, छात्राओं को स्कूटी, चार नए एक्सप्रेस–वे

लखनऊ (आभा)। यूपी वालों की सेहत सुधारने पर सरकार की फोकस है। प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य और आरोग्य के लिए योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में 50 हजार 550 करोड़ 41 लाख का बजट प्रस्ताव किया है। इसमें करीब ढाई सौ करोड़ रुपये नए मदों में शामिल योजनाओं के लिए होगा। स्वास्थ्य सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव की प्रक्रिया को और गति देने की प्रतिबद्धता बजट में दर्शायी गई है। निकट भविष्य में जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने के संकेत के साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीक को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया गया है।

प्रदेश में अब विशेषज्ञ चिकित्सकों और असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती फटाफट हो सकेगी। इन भर्तियों में होने वाली देरी की समस्या को दूर करने के लिए यूपी में विशेषज्ञ चिकित्सक एवं चिकित्सा शिक्षा बोर्ड का गठन किया जाएगा। बजट में इसके लिए 3 करोड़ 34 लाख 20 हजार रुपये का प्रस्ताव किया गया है। इस बोर्ड का गठन होने के बाद विशेषज्ञ डॉक्टरों और असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती लोक सेवा आयोग की जगह इसी के जरिए होगी। इससे स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी जल्द दूर हो सकेगी। इसके अलावा स्टेट एलाइड एंड हेल्थ केयर काउंसिल का गठन स्वास्थ्य एवं चिकित्सा कर्मियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा। डॉक्टरों को छोड़कर अन्य स्वास्थ्यकर्मी इससे लाभांवित होंगे। उनके पंजीकरण से लेकर सेवा–शर्तों तक की चिंता यह काउंसिल करेगी।

वित्त मंत्री ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2025–2026 में यूजी, पीजी हेतु कुल 10,000 सीटें जोड़े जाने की घोषणा की गई है, जिसमें से 1500 सीटें उत्तर प्रदेश को प्राप्त होंगी। इस हेतु लगभग 2066 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। वर्ष 2017 में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशियलिटी की कुल सीटों की संख्या 120 थीं। शैक्षणिक सत्र 2024–2025 में सीटों की संख्या को बढ़ाकर 250 किया गया। वहीं आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 5.13 करोड़ लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाये गये हैं। आयुष्मान कार्ड बनाने में पूरे देश में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। आयुष्मान भारत राष्ट्रीय स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के लिए 2000 करोड़ रुपये बजट में रखे गए हैं। प्रदेश की सभी सीएचसी में ऑनलाइन स्वास्थ्य सुविधाएं आरंभ करने के लिए 5 करोड़ दिए गए हैं।

आयुष विभाग के लिए 2700 करोड़ से अधिक का प्रावधान किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025–2026 में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर का निर्माण कार्य पूर्ण किया जाना है, अयोध्या में राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण किया जाना है, वाराणसी में राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की स्थापना कराया जाना लक्षित है। इसके अलावा चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के नये मुख्यालय निर्माण के लिए भी 100 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

गो तस्कर के एनकाउंटर पर उठे सवाल

संवाददाता–बस्ती। एनकाउंटर में गिरफ्तार पशु तस्कर को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया। उधर, उसके परिवार के लोगों ने दावा किया है कि कचहरी के पास से उसे 18 फरवरी को उठाकर पुलिस ने अगले दिन एनकाउंटर कर दिया। उसके अधिवक्ता ने भी इस संबंध में अधिकारियों को आईजीआरएस पर शिकायत की है। जिसमें बताया कि परशुरामपुर थाने में दर्ज केस में अंतरिम जमानत के लिए वह प्रार्थनापत्र देने न्यायालय में आया था। वहां देर होने पर चाय पीने दुकान पर गया था,जहां से उठाकर एनकाउंटर कर दिया गया। जबकि पुलिस का दावा है कि 19 फरवरी की रात मुठभेड़ में उसे गिरफ्तार किया गया।

सीएचसी गेट के सामने दवा की दुकानों पर छापा, एक दुकान सील

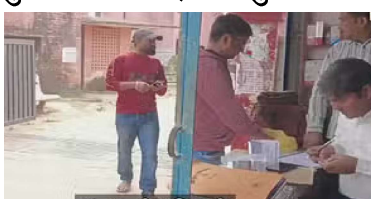

संवाददाता–बस्ती। सीएचसी कप्तानगंज गेट पर चल रही चार दुकानों पर बृहस्पतिवार को मंडलीय सहायक आयुक्त (दवाएं) नरेश मोहन दीपक के नेतृत्व में सुबह 11 बजे स्वाट टीम सन्तोष कुमार और डीआई बस्ती अरविंद कुमार,औषधि निरीक्षक संतकबीरनगर प्रीति सिंह, औषधि निरीक्षक सिद्धार्थनगर नवीन सिंह की संयुक्त टीम ने अस्पताल गेट पर चल रहे चार दवा की दुकानों पर छापेमारी किया टीम देखकर एक दवा संचालक फरार हो गया। जिसके चलते दुकान पर नोटिस चस्पा करके दुकान को सील कर दिया।

डिप्टी डायरेक्टर ने कंट्रोल रूम के साथ ही चार केन्द्रों का किया निरीक्षण

संवाददाता–बस्ती। यूपी बोर्ड परीक्षाएं 24 फरवरी से शुरू होनी है। शिक्षा निदेशालय प्रयागराज से डिप्टी डायरेक्टर अशोक कुमार गुप्ता बस्ती पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में बने जनपद स्तरीय कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केन्द्रों की लाइव निगरानी परीक्षा के दौरान की जाए। अगर कहीं कोई समस्या है तो उसे परीक्षा पहले से ही दूर कर लिया जाए। इस दौरान उनके साथ जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश प्रसाद शुक्ल भी मौजूद रहे।

डिप्टी डायरेक्टर ने राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज और सेक्सरिया इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। यहां परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया। परीक्षा कक्षों को भी देखा। साथ ही छात्रों की सुविधा व परीक्षा की पारदर्शिता के लिहाज से भी जांच की। इसके बाद वह पाकरडाड़ स्थित परीक्षा केन्द्र पर पहुंचे और इंतजामों को देखा। उन्होंने बताया कि परीक्षा को लेकर हुई तैयारियां संतोषजनक हैं। डीआईओएस स्तर से लगातार मॉनीटरिंग की जा रही हैं। डीआईओएस ने बताया कि यूपी बोर्ड परीक्षा की ड्यूटी में लगे कक्ष निरीक्षकों को क्यूआर कोड युक्त परिचय–पत्र जारी किया जा रहा है। विभागीय व प्रशासनिक अधिकारी रैंडम रूप से व संदिग्ध लगने पर मोबाइल से क्यूआर स्कैन कर इसकी जांच कर सकेंगे।

समन्वय स्थापित कर उद्यमियों की लम्बित समस्याओ को नियमानुसार तत्काल निस्तारण करायें –डीएम

संवाददाता–बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु समिति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गयी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होने जनपद के औद्योगिक समस्याओं पर विचार–विमर्श कर योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा किया। उन्होने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिया कि संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर उद्यमियों की लम्बित समस्याओ को नियमानुसार तत्काल निस्तारण करायें।

समीक्षा बैठक में उन्होने पाया कि बैंक आफ महाराष्ट्रा, पंजाब नेशनल बैंक, युनियन बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन बैंक, बड़ौदा उ0प्र0 ग्रामीण बैंक, पंजाब एण्ड सिन्ध बैंक, केनरा बैंक, एक्सिस बैंक एवं भारतीय स्टेट बैंक की प्रगति बहुत ही खराब है। उन्होने देखा कि बैंक आफ महाराष्ट्रा में कुल 18 आवेदन प्राप्त है, जिसके सापेक्ष अभीतक कोई भी ऋण वितरण नहीं किया गया है। इसी प्रकार पंजाब नेशनल बैंक की कुल 22 शाखाओं में 215 आवेदन पत्र भेजे गये है एवं मात्र 23 आवेदन पत्रों पर स्वीकृति एवं 08 आवेदन पत्रो पर ऋण वितरण की कार्यवाही की गयी है। भारतीय स्टेट बैंक की विभिन्न 39 शाखाओं में प्रेषित 536 आवेदन पत्रों के सापेक्ष मात्र 46 आवेदन पत्रों पर स्वीकृति एवं 38 आवेदन पत्रों पर ऋण वितरण की कार्यवाही की गयी है।

जिलाधिकारी ने इस स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय स्टेट बैंक जिले में मार्गदर्शी बैंक के रूप में भी कार्य कर रहा है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि बैंको द्वारा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में रूचि नहीं ली जा रही है, जो चिन्ताजनक है। उन्होने उक्त समस्त बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिए गये लक्ष्य के सापेक्ष एक सप्ताह के अन्दर ऋण स्वीकृतध वितरित करना सुनिश्चित करें एवं उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि आगामी समीक्षा बैठक में अद्यतन प्रगति के साथ प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप ने किया। उन्होने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा अत्यन्त महत्वाकॉक्षी मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम–युवा) की मिशन मोड में शुरूआत की गयी है। इस योजनान्तर्गत रू. 05.00 लाख तक परियोजना हेतु 04 वर्षो तक शतप्रतिशत ब्याज तथा गारण्टीयुक्त ऋण एवं परियोजना लागत पर 10 प्रतिशत मार्जिनमनी अनुदान देय है तथा 04 वर्षो तक सी.जी.टी.एम.एस. प्रतिपूर्ति भी देय है।

उन्होने बताया कि जनपद के विभिन्न बैंक शाखाओं में 1323 आवेदन पत्र प्रेषित किये गये, जिसके सापेक्ष 225 आवेदन पत्रों पर स्वीकृति एवं 126 आवेदन पत्रों पर ऋण वितरण किया गया है। बैठक में लीड बैंक मैनेजर आर.एन. मौर्या एवं समस्त राष्ट्रीयकृतधअधिसूचित बैंको के जिला समन्वयक तथा संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

रेखा गुप्ता ने संभाली दिल्ली की कमान

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली की नई सरकार के शपथग्रहण में मुख्यमंत्री के साथ छह मंत्री भी शपथ ली। प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, पंकज सिंह, मनजिंदर सिरसा, कपिल मिश्रा, रविंद्र इंद्राज दिल्ली में कैबिनेट मंत्री बने।

सीएम की रेस में रहने वाले नई दिल्ली से विधायक चुने गए प्रवेश वर्मा को भी दिल्ली की नई कैबिनेट में शामिल किया गया है। नई दिल्ली सीट पर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा सीएम की रेस में सबसे आगे थे। कपिल मिश्रा को भी दिल्ली की नई कैबिनेट में शामिल किया गया। करावल नगर से विधायक कपिल मिश्रा ने भी आज मंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने करावल नगर से दूसरी बार जीत हासिल की है। भाजपा से पहले वह आम आदमी पार्टी में भी रह चुके हैं। रेखा गुप्ता के साथ आशीष सूद ने भी आज मंत्री पद की शपथ ली। आशीष सूद जनकपुरी से चुनाव जीते हैं। वे पहली बार विधायक बने हैं। इससे पहले आशीष पार्षद रहे हैं। वे भाजपा के गोवा व जम्मू कश्मीर के प्रभारी भी हैं। सूद पंजाबी समाज से आते हैं। प्रदेश भाजपा नेतृत्व भी पंजाबी समाज से ही है।

मनजिंदर सिंह सिरसा को भी दिल्ली की नई कैबिनेट में शामिल किया गया। वह राजौरी गार्डन से विधायक हैं। तीसरी बार विधायक बने सिरसा दिल्ली में भाजपा का सिख चेहरा हैं। साल 2021 में मनजिंदर सिंह सिरसा शिरोमणि अकाली दल से भाजपा में शामिल हुए थे। विकासपुरी से जीत हासिल करने वाले विधायक पंकज सिंह ने भी मंत्री पद की शपथ ली। पंकज सिंह एमसीडी में भी अहम पदों पर रह चुके हैं। वह दांतों के डॉक्टर हैं। उनकी पत्नी रश्मि कुमारी भी डेंटिस्ट हैं। पंकज के पास बीडीएस की डिग्री है।बिहार के बक्सर के रहने वाले पंकज सिंह विकासपुरी से जीतकर पहली बार विधायक बने हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी के महेंद्र यादव को हराया। रेखा गुप्ता के साथ रविंद्र इंद्राज भी शपथ ली। उनका नाम भी मंत्री पद की शपथ लेने वालों में शामिल है। वह बवाना सुरक्षित सीट से पहली बार विधायक बने हैं। रेखा गुप्ता का राजनीतिक करियर प्रभावशाली रहा है। भाजपा में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य उन्होंने किया है। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के साथ ही नगर निगम चुनावों में भाजपा की ओर से महापौर पद की उम्मीदवार भी थीं। राजनीतिक यात्रा दिल्ली विश्वविद्यालय से शुरू हुई, जहां उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ में महासचिव रहीं। इसके बाद उन्होंने भाजपा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए पार्टी में उच्च पदों तक का सफर तय किया और एक अनुभवी नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई।

रेखा गुप्ता का जन्म 1974 में हरियाणा के जींद जिले की जुलाना तहसील के नंदगढ़ गांव में हुआ था। 1976 में उनके पिता को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में मैनेजर की नौकरी मिलने के बाद पूरा परिवार दिल्ली आ गया। अपनी पढ़ाई रेखा गुप्ता ने दिल्ली में ही पूरी की और छात्र राजनीति में कदम रखते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ गईं। एलएलबी में स्नातक के बाद कॉलेज के दिनों से ही राजनीति में सक्रिय हो गई थी।

संभल हिंसा का मास्टर माइंड गिरफ्तार

संभल (आभा)। संभल हिंसा मामले में यूपी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हिंसा के मास्टरमाइंड दीपा सराय निवासी गुलाम को रोडवेज बस अड्डे के पास से गिरफ्तार कर लिया है। गुलाम का दुबई से भी कनेक्शन मिला है। आरोप है कि वह दुबई में बैठे ऑटो लिफ्टर शारिक साठा के लिए देश में काम करता था। वह दिल्ली–एनसीआर समेत कई राज्यों में अवैध असलहों और चोरी की लग्जरी गाड़ियों के नेटवर्क का सरगना है। उसका गिरोह देशभर से लग्जरी गाड़ियां चोरी कराकर म्यांमार बॉर्डर तक सप्लाई करता था और बदले में विदेशी हथियार और कारतूस हासिल करता था। गुलाम ने ही हिंसा के दौरान लोगों को अवैध असलहे और कारतूस भी मुहैया कराए। पुलिस ने आरोपी के पास से 9 एमएम और 32 बोर की पिस्टल, तमंचे के अलावा विदेशी कारतूस व अन्य सामान भी बरामद किया है। गुलाम ने सपा के दिवंगत सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क से अपने संबंधों का भी खुलासा किया है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने गुरुवार को एएसपी कार्यालय पर प्रेसवार्ता कर संभल हिंसा की वारदात का खुलासा किया। एसपी ने बताया कि संभल हिंसा की साजिश का मास्टर माइंड दीपा सराय निवासी गुलाम है। उनकी मंशा देश भर में हिंसा फैलाने के लिए सर्वे वाले दिन अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन को निशाना बनाना था। इनका मकसद अधिवक्ता की हत्या के बाद देशभर में दंगा फैलाकर लाभ लेने की थी। इसीलिए गुलाम ने अपने लोगों को विदेशी हथियार, कारतूस और अवैध तमंचे मुहैया कराए थे। उनसे कहा गया था कि 500 साल पुरानी मस्जिद की सुरक्षा करना उनकी जिम्मेदारी है। पुलिस ने गुलाम के पास से 9एमएम पिस्टल, 32 बोर की दो पिस्टल, 315 बोर तमंचा, 12 बोर के 20 कारतूस समेत भारी मात्रा में असलहा बरामद किया है। शारिक साठा के पूर्व में गिरफ्तार दोनों गुर्गों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को गुलाम की जानकारी मिली। बता दें कि शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर को हुई हिंसा में चार युवकों की मौत हुई थी। पुलिस व प्रशासनिक अफसरों समेत 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे हिंसा में अब तक पुलिस सरगना समेत 80 लोगों को जेल भेज चुकी है। आरोपी गुलाम से पूछताछ में पुलिस को बताया कि 'सांसद संभल' नामक ग्रुप में 22 और 24 नवंबर को हिंसा फैलाने के निर्देश दिए गए थे। जिसके पुलिस को सबूत मिले हैं। आरोपी गुलाम के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई कराने के बाद गुलाम की अवैध संपत्ति की जांच कर जल्द ही कुर्की की प्रक्रिया शुरू होगी। गुलाम पूर्व में फर्जी पासपोर्ट पर विदेश भी जा चुका है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि विदेश में बैठक कर गुलाम गिरोह का संचालन करता था। गुलाम ने अपने मोबाइल डाटा डिलीट कर दिया है। उसके फोन को लैब भेजा जाएगा। वह अक्सर पत्नी के फोन से बात करता था, उसकी पत्नी के फोन से अहम सुराग निकाले जा रहे हैं।

वरिष्ठ पत्रकार के निधन पर शोक

संवाददाता–बस्ती। देश के मूर्धन्य पत्रकार, भारतीय बस्ती एवं आवाज दर्पण समाचार पत्र के संस्थापक दिनेश चन्द्र पाण्डेय के निधन पर प्रेस क्लब सभागार में उनकी आत्मा की शांति हेतु श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

पत्रकार प्रकाश चन्द्र गुप्ता, मजहर आजाद, सुरेश सिंह गौतम, विनोद कुमार उपाध्याय, स्कन्द शुक्ल, आलोक त्रिपाठी, कृष्णदेव मिश्र, जयंत मिश्र ने कहा कि पाण्डेय जी ने अपने पत्रकारिता काल के जीवन में सिद्धान्तों के साथ समझौता नहीं किया। उनके निधन से पत्रकारिता जगत को गहरा आघात पहुंचा है जिसकी पूर्ति कभी भी नहीं की जा सकती।

पत्रकार सरदार जगवीर सिंह, अनुराग श्रीवास्तव, राजकुमार, राजेश पाण्डेय, प्रवीण पाण्डेय, चन्द्रप्रकाश शर्मा, जीशान हैदर रिजवी, प्रेस क्लब महामंत्री महेन्द्र तिवारी, पुनीत दत्त ओझा, राजेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि पाण्डेय जी पत्रकारिता जगत के स्तम्भ थे, उनका पूरा जीवन पत्रकारिता के प्रति समर्पित था।

पत्रकार वशिष्ठ पाण्डेय, सर्वेश श्रीवास्तव, विपिन बिहारी त्रिपाठी, शिवशंकर लाल श्रीवास्तव, संदीप गोयल, राकेश गिरि, ब्रह्मसेवक पाण्डेय ने कहा कि पाण्डेय जी ने विपरीत परिस्थितियों में धैर्य का परित्याग नहीं किया साथ ही साथ अनेक चुनौतियों का सामना दृढ़तापूर्वक किया।

रामकुमार, तवरेज आलम, राघवेन्द्र सिंह, अश्वनी कुमार शुक्ल, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, रजनीश त्रिपाठी, जयप्रकाश उपाध्याय, मनोज कुमार यादव, बबुन्दर यादव, अनिल भेलखा, रामकृष्ण लाल जगमग, बसंत ने कहा कि पाण्डेय जी के निधन से पूरा पत्रकार जगत मर्माहत है और ईश्वर से प्रार्थना है कि उनके आत्मा को शांति प्रदान करते हुए परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति दे। श्रद्धांजलि सभा में अनेकों पत्रकार, साहित्यकार एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 फरवरी 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

जनगणना पर चुप्पी क्यों ..?

भारत की जनगणना हर 10 वर्ष के बाद होती है। जनगणना भारत की जनसंख्या की गतिशीलता और प्रवृत्तियों के बारे में जानकारी प्रदान करती है। यह भारत की जनसंख्या की विविधता तथा कई चीजों को जानने में मदद करती है। इसमें देश में शिक्षा के स्तर, पुरुषों तथा महिलाओं के अनुपात, आर्थिक स्थिति और रोजगार आदि की स्थिति के बारे में बुनियादी आंकड़े प्रदान करना शामिल है। जनगणना के आंकड़ों से ही पता चलता है कि देश में कितने अमीर और गरीब या कितने मध्यवर्ग के लोग हैं। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के रजिस्ट्रार जनरल तथा जनगणना आयुक्त पर जनगणना करवाने की जिम्मेदारी है। इसमें सामाजिक, आर्थिक तथा जाति जनगणना (एस. ई.सी.सी.) भी शामिल है। एस.ई.सी.सी. का उपयोग राज्यों की सहायता करने के उद्देश्य से लाभार्थियों की पहचान करने के लिए किया जाता है।

भारत में 1872 में हुई पहली जनगणना के बाद से अब तक 15 बार जनगणना करवाई जा चुकी है। अंतिम जनगणना 2011 में हुई थी तथा अगली जनगणना निर्धारित नियमों के अनुसार 2021 में करवाई जानी थी परंतु इसी बीच कोविड19 महामारी ने विश्व को अपनी चपेट में ले लिया जिसके कारण भारत सहित अनेक देशों में जनगणना सहित अनेक गतिविधियों को स्थगित कर देना पड़ा। हालांकि सरकार ने अपने स्पष्टकरण में कोविड–19 महामारी को जनगणना में देरी का कारण बताया। 2020 तक 233 देशों में से 143 देशों ने जनगणना करवा ली है।

उल्लेखनीय है कि देश में कोविड के बाद आम चुनावों के अलावा कई अन्य चुनाव हो चुके हैं परंतु भारत में जनगणना नहीं हुई। यमन, सीरिया, अफगानिस्तान, म्यांमार, यूक्रेन, श्रीलंका और उप–सहारा अफ्रीका के देशों के साथ भारत भी उन 44 देशों में से एक है, जिन्होंने इस दशक में जनगणना नहीं करवाई थी। सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि सभी नीतियां जनसंख्या के नवीनतम आंकड़ों के आधार पर तय की जाती हैं, परंतु नवीनतम आंकड़े न होने के कारण इसमें देरी हो रही है। हमारे पास देश की जनगणना संबंधी डाटा वर्ष 2011 का है जिसने अनेक समस्याओं को जन्म दिया है।128वां संवैधानिक संशोधन विधेयक 2023 या नारी शक्ति वंदन अधिनियम नवीनतम जनगणना को ध्यान में रखते हुए 2026 के परिसीमन के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। इससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिल सकेगा। इसी कारण संसद एवं विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्सीमांकन भी रुका पड़ा है। यह परिसीमन आयोग अधिनियम–2002 के अंतर्गत 2001 की जनगणना के आधार पर किया गया है जबकि अब 2025 चल रहा है और चुनाव नवीनतम परिसीमन के बिना ही हो रहे हैं।

हालांकि परिसीमन की बात आते ही इस बात का खतरा बढ़ जाता है कि जिस प्रकार यू.पी., बिहार और मध्य प्रदेश में जनसंख्या बढ़ रही है उससे इन राज्यों की सीटें लोकसभा में बढ़ जाएंगी (यू.पी. की 80 से बढ़कर 91, बिहार की सीटें 40 से बढ़कर 50 और मध्य प्रदेश की 29 से बढ़कर 33 सीटें) और दक्षिण राज्यों की सीटें घट जाएंगी (तमिलनाडु की 39 से घटकर 31, आंध्र और तेलंगाना की 42 से घट कर 34, केरल की 20 से घटकर 12 और कर्नाटक की 28 से घटकर 26) क्योंकि दक्षिण राज्यों की जनसंख्या उत्तरी राज्यों के अनुपात से नहीं बढ़ रही। ऐसा होने से देश का संघीय ढांचा प्रभावित होगा। यदि परिसीमन न भी हो तो भी जानना जरूरी है कि कौन से राज्य की जनसंख्या बढ़ रही है और किस राज्य की जनसंख्या घट रही है। विकास की योजनाएं बनाने और इन्हें आम लोगों तक पहुंचाने के लिए तय समय पर जनगणना का होना अत्यंत जरूरी है। ऐसा नहीं होने पर करोड़ों लोग कल्याणकारी योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। उदाहरण के लिए 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर वर्ष 2013 में 80 करोड़ लोग मुफ्त में राशन लेने के योग्य थे, जबकि जनसंख्या में अनुमानित वृद्धि के साथ 2020 में यह आंकड़ा 92.2 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान था जो अब तक और भी बढ़ गया होगा। यदि कोई नीति बनानी है तो हम 2011 के डाटा के हिसाब से नहीं बना सकते। परंतु आज भी यह माना जाता है कि चीन से भिन्न हमारे आंकड़े और संख्याएं बिल्कुल सही हैं। साथ ही यदि हमने अब जाति आधारित सर्वे करवाना है तो उसके लिए अभी से तैयारी करनी होगी।

बढते रेल हादसों का जिम्मेदार कौन..?

–नीरज कुमार दूबे–

नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोगों की मौत ही बड़ी खबर नहीं है। बड़ी खबर यह भी है कि रेलवे ने पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखा है। बड़ी खबर यह भी है कि लोग यह समझ चुके हैं कि रेलवे में सुधार की बातें सिर्फ खोखली हैं। बड़ी खबर यह भी है कि तमाम लोगों को इस बात का पक्का विश्वास हो चला है कि पर्वों–त्योहारों और छुट्टियों के समय टिकट खरीदने से लेकर अपने गंतव्य तक पहुँचने तक रेल का सफर परेशान करेगा ही करेगा। बड़ी खबर यह भी है कि रेलवे स्टेशन पर या पटरी पर चलती ट्रेन के साथ कितनी बड़ी दुर्घटना हो जाये, रेल मंत्री कभी नैतिक जिम्मेदारी नहीं लेंगे। बड़ी खबर यह भी है कि दुर्घटना होने पर मुआवजे या जांच का ऐलान तुरंत ही करने वाले रेल मंत्री अपना इस्तीफा देना तो दूर कभी इस्तीफे की पेशकश तक नहीं करेंगे।

देखा जाये तो रेल मंत्री पद से अश्विनी वैष्णव का इस्तीफा मांगा जा रहा है तो इसमें कुछ गलत नहीं है क्योंकि बात सिर्फ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे की ही नहीं है। आप रेलवे को समग्र रूप में देखेंगे तो पाएंगे कि कोई बड़ा सुधार कर पाने में अश्विनी वैष्णव पूरी तरह विफल रहे हैं। अगर महाकुंभ की ही बात कर लें तो भले रेल मंत्री ने प्रयागराज के लिए हजारों ट्रेनें चलाने के दावे किये हों लेकिन आप देशभर में सर्वे करा लें तो पाएंगे कि प्रयागराज के लिए ज्यादातर लोगों को ट्रेनों में टिकट मिले ही नहीं और जिनको टिकट मिले उनका सफर आरामदायक नहीं रहा। यही नहीं, हैरानी की बात यह भी रही कि प्रयागराज के लिए रेलवे की वेबसाइट और ऐप पर भले टिकट नहीं थे लेकिन मेकमाई ट्रिप जैसी ट्रैवल साइटों पर 500 रुपए की अतिरिक्त फीस देकर उसी तारीख के रेलवे टिकट उपलब्ध थे। हम 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन 2025 तक रेलवे को इतना भी आत्मनिर्भर नहीं बना पाये हैं कि उसकी ही वेबसाइट और ऐप पर सभी को कंफर्म टिकट मिल जायें। आज भी रेल यात्रियों को अपना टिकट कंफर्म कराने के लिए वीआईपी कोटा या रेलवे कोटा लगवाने के लिए नेताओं और अधिकारियों से मदद मांगनी पड़ती है जोकि शर्मनाक है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना के जांच के आदेश तो दे दिये गये हैं लेकिन सवाल उठता है कि पहले की घटनाओं की जांच रिपोर्टों का क्या हुआ? पिछली घटनाओं के लिए कौन लोग दोषी ठहराये गये, उन्हें कौन–सी कड़ी सजा हुई? क्या इसका विवरण कभी रेल मंत्री देश के सामने रखने का साहस जुटाएंगे? देखा जाये तो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ की घटना का प्रमुख कारण था ऐन समय पर ट्रेनों के प्लेटफॉर्म का बदला जाना। यह ऐसी चूक है जिसकी वजह से पहले भी दुर्घटनाएं हुई हैं लेकिन रेलवे ने कभी सबक नहीं सीखा। जब रेलवे स्टेशन का प्रबंधन यह देख रहा था कि वहां भारी भीड़ उमड़ी हुई है तो प्लेटफॉर्म बदलने का फैसला टाल कर क्या घटना को रोका नहीं जा सकता था?

बात सिर्फ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की भी नहीं है। देश के तमाम शहरों से इस प्रकार की खबरें सामने आ रही हैं कि प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में लोग भारी भीड़ की वजह से चढ़ नहीं पा रहे हैं। इस प्रकार के भी वीडियो वायरल हैं जिसमें देखा जा सकता है कि यात्री सिर्फ दरवाजों से ही नहीं बल्कि खिड़कियों से भी ट्रेन के भीतर जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर तमाम वायरल वीडियो में भी देखा जा सकता है कि लोग ट्रेनों में नहीं चढ़ पाने को लेकर तोड़फोड़ तक कर रहे हैं। जनता की यह नाराजगी साफ दर्शाती है कि महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन को लेकर रेलवे की ओर से पर्याप्त तैयारियां नहीं की गयी थीं।

यही नहीं, हमने दुनिया के सबसे ऊँचे पुल पर ट्रेन दौड़ाने का कीर्तिमान तो अपने नाम कर लिया लेकिन जमीन पर बिछी पटरियों पर दौड़ती ट्रेन की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाये हैं। आये दिन होते रेल हादसे दर्शा रहे हैं कि संभवतः मंत्रीजी का पूरा ध्यान इस विभाग पर नहीं है। हाल के रेल हादसों में से अधिकांश के पीछे साजिश का एंगल सामने आया है। यदि ऐसा है तो यह भी सुरक्षा में एक बहुत बड़ी खामी है। यही नहीं, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना के दौरान कुली और प्लेटफॉर्म पर स्टॉल लगाने वाले ही यात्रियों के बचाव में उतरे। एक भी यात्री ने यह नहीं बताया कि रेलवे पुलिस ने किसी की मदद की हो या उसे बचाया हो। साथ ही, भगदड़ की घटना के तत्काल बाद जिस तरह प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई गयीं वह दिखाता है कि रेलवे के पास अतिरिक्त ट्रेनों की व्यवस्था थी। इसलिए सवाल उठता है कि भीड़ को देखते हुए उन स्पेशल ट्रेनों को पहले क्यों नहीं चलाया गया? रेलवे ने गत शनिवार को प्रयागराज के लिए स्पेशल वंदे भारत ट्रेनें चलाने की घोषणा की थी लेकिन साधारण ट्रेनों को क्यों नहीं चलाया गया? क्या ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि वंदे भारत जैसी महंगी ट्रेनों से रेलवे को ज्यादा आमदनी होती है और साधारण ट्रेनों को चलाने से ज्यादा लाभ नहीं होता? क्या रेलवे ने अब सिर्फ अपने लाभ के बारे में ही सोचना शुरू कर दिया है?

सवाल और भी कई हैं लेकिन उनके जवाब मिलने की संभावना कम ही है। वैसे यह भी एक तथ्य है कि भारतीय रेलवे भारी दबाव में है। रेलवे में सुधार की अत्यंत जरूरत है। रेलवे को ऐसे मंत्री की भी जरूरत है जिसके पास रेलवे के अलावा अन्य किसी मंत्रालय का कार्यभार नहीं हो ताकि वह रेलवे पर ही पूरी तरह से ध्यान दे पाये। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि अश्विनी वैष्णव उच्च शिक्षित, अनुभवी और ईमानदार व्यक्ति हैं लेकिन आंकड़े दर्शाते हैं कि उनकी यह योग्यताएं रेलवे के काम नहीं आ पा रही हैं। अश्विनी वैष्णव अक्सर रेलवे की सुनहरी तस्वीर के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते रहते हैं जबकि हकीकत उससे काफी अलग होती है। यही नहीं, आज भले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन या देश के अन्य स्टेशनों पर सब कुछ व्यवस्थित दिखाई दे रहा हो लेकिन सवाल उठता है कि क्या ऐसी ही व्यवस्था जल्द ही आने वाली होली की छुट्टियों और उसके बाद गर्मी की छुट्टियों के दौरान भी दिखाई देगी?

बहरहाल, देखना होगा कि भारतीय रेलवे का भविष्य कैसा रहता है? वैसे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बिखरे हुए जूते–चप्पलों, टूटी हुई चूड़ियों, कपड़ों, बैगों के दृश्य और जिन 18 परिवारों में मौत हुई है उनके घर में पसरे मातम का दृश्य हर किसी के मन में सिहरन पैदा कर गये हैं।

कमजोर होती रिश्तों की डोर

–प्रियंका सौरभ–

पिछले कुछ समय में पारिवारिक ढांचे में काफी बदलाव हुआ है। मगर परिवारों की नींव का इस तरह से कमजोर पड़ना कई चीजों पर निर्भर हो गया है। अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी होना ही रिश्ते टूटने की प्रमुख वजह है। जब परिवारों में होड लगनी शुरू हो जाये एवं एक दूसरे के सुख–दुख से ज्यादा परस्पर प्रतिस्पर्धा का भाव जग जाये। समझना कि परिवार अथवा रिश्ते अपनी अंतिम सांस गिन रहे है।

आज सभी को एक संस्था के रूप में पारिवारिक मूल्यों और परिवार के बारे में सोचने–समझने की बेहद सख्त जरूरत है और साथ ही इन मूल्यों की गिरावट के कारण ढूँढकर उनको दुरुस्त करने की भी जरूरत है। इसके लिए समाज के कर्णधार कवि ६ लेखकों ६ गायकों ६ नायक ६ नायिकाओं ६ शिक्षक वर्गों और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ–साथ राजनीतिज्ञों को एक संस्था के रूप में परिवार के पतन के निहितार्थ के बारे में भी लिखना और सोचना चाहिए। खुले मंचो से इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि इस गिरावट के कारण क्या हैं? और इस गिरावट से कैसे उभरा जा सकता है?

परिवार, भारतीय समाज में, अपने आप में एक संस्था है और प्राचीन काल से ही भारत की सामूहिक संस्कृति का एक विशिष्ट प्रतीक है। नैतिक मजबूती के साथ–साथ यह व्यक्ति के परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों को बिना किसी हिचकिचाहट के कठिन समय में भरोसा करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है। यह कठिनाइयों से निपटने के लिए अनैतिक साधनों के उपयोग से बचाता है। परिवार लोगों को सांसारिक समस्याओं के प्रति स्त्री के दृष्टिकोण को विकसित करने में मदद करता है। मगर वर्तमान दौर में हम संस्था के रूप में परिवार में गिरावट का कटु अनुभव झेल रहे है।

गिरावट के प्रतीक के रूप में आज परिवार खंडित हो रहा है, वैवाहिक सम्बन्ध टूटने, आपसे भाईचारे में दुश्मनी एवं हर तरह के रिश्तों में कानूनी और सामाजिक झगड़ों में वृद्धि हुई है। आज सामूहिकता पर व्यक्तिवाद हावी हो गया है। वर्तमान स्थिति में भड़काऊ रवैया परिवारों के बिखरने का प्रमुख कारण है। परिवार के अन्य सदस्यों को उच्च आय और कम जिम्मेदारी ने विस्तारित परिवारों को विभाजित किया है। आज के अधिकांश सामाजिक कार्य, जैसे कि बच्चे की परवरिश, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, बुजुर्गों की देखभाल आदिय बाहर की एजेंसियों जैसे क्रेच, मीडिया, नर्सरी स्कूलों, अस्पतालों, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों, धर्मशाला संस्थानों ने ठेकेदारों के तौर पर संभाल लिए हैं जो कभी परिवार के बड़े लोगों की जिम्मेवारी होती थी।

परिवार संस्था के पतन ने हमारे भावनात्मक रिश्तों में बाधा पैदा कर दी है। एक परिवार में एकीकरण बंधन आपसी स्नेह और रक्त से सम्बंधित हैं। एक परिवार एक बंद इकाई है जो हमें भावनात्मक सम्बंधों के कारण जोड़कर रखता है। नैतिक पतन परिवार के टूटने में अहम कारक है क्योंकि वे बच्चों को दूसरों के लिए आत्म सम्मान और सम्मान की भावना नहीं भर पाते हैं। पद–पैसों की अंधी दौड़ से आज सामाजिक–आर्थिक सहयोग और सहायता का सफाया हो गया है। परिवार अपने सदस्यों, विशेष रूप से शिशुओं और बच्चों के विकास और विकास के लिए आवश्यक वित्तीय और भौतिक सहायता तक सिमित हो गए हैं, हम आये दिन कहीं न कहीं बुजुर्गों सहित अन्य आश्रितों की देखभाल के लिए, अक्षम और दुर्बल परिवार प्रणाली की गिरावट की बातें सुनते और देखते हैं जब उन्हें अत्यधिक देखभाल और प्यार की आवश्यकता होती है।

भविष्य में संस्था के रूप में परिवार में गिरावट समाज में संरचनात्मक परिवर्तन लाएगी। सकारात्मक पक्ष पर, भारतीय समाज में जनसंख्या की वृद्धि में कमी देखी जा सकती है और संस्था के रूप में परिवार में गिरावट के प्रभाव के रूप में हो सकता है। हालाँकि, संयुक्त परिवार से परिवार के संरचनात्मक परिवर्तनों को समझने की आवश्यकता है, कुछ मामलों में इसे परिवार प्रणाली की गिरावट नहीं कहा जा सकता है। जहाँ परिवार प्रणाली किसी सकारात्मक परिवर्तन के लिए संयुक्त परिवार से एकल परिवार में परिवर्तित होती है। वैसे भी भारतीय समाज भी परिवार के संलयन और विखंडन की अनूठी विशेषता का निवास करता है जिसमें भले ही परिवार के कुछ सदस्य अलग–अलग स्थानों में अलग–अलग रहते हैं, फिर भी एक परिवार के रूप में रहते हैं।

परिवार एक बहुत ही तरल सामाजिक संस्था है और निरंतर परिवर्तन की प्रक्रिया में है। आधुनिकता समान–लिंग वाले जोड़ों (एलजीबीटी सम्बंध) , सहवास या लिव–इन सम्बंधों एकल–माता–पिता के घरों, अकेले रहने वाले या अपने बच्चों के साथ तलाक का एक बड़ा हिस्सा उभरने का गवाह बन रहा है। इस तरह के परिवारों को पारंपरिक रिश्तेदारी समूह के रूप में कार्य करना आवश्यक नहीं है और ये सामाजीकरण के लिए अच्छी संस्था साबित नहीं हो सकती। भौतिकवादी युग में एक–दूसरे की सुख–सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा ने मन के रिश्तों को झुलसा दिया है।

कच्चे से पक्के होते घरों की ऊँची दीवारों ने आपसी वार्तालाप को लुप्त कर दिया है। पत्थर होते हर आंगन में फूट–कलह का नंगा नाच हो रहा है। आपसी मतभेदों ने गहरे मन भेद कर दिए है। बड़े–बुजुर्गों की अच्छी शिक्षाओं के अभाव में घरों में छोटे रिश्तों को ताक पर रखकर निर्णय लेने लगे है। फलस्वरूप आज परिजन ही अपनों को काटने पर तुले है। एक तरफ सुख में पडोसी हलवा चाट रहें है तो दुःख अकेले भोगने पड़ रहें है। हमें ये सोचना–समझना होगा कि अगर हम सार्थक जीवन जीना चाहते है तो हमें परिवार की महत्ता समझनी होगी और आपसी तकरारों को छोड़कर परिवार के साथ खड़ा होना होगा तभी हम बच पायेंगे और ये समाज रहने लायक होगा।

चुनावी नैया पार उतारने की कोशिश में नीतीश

–उमेश चतुर्वेदी–

बिहार में विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। छह महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं। ऐसे में पक्ष और विपक्ष–दोनों ने चुनावी समर के लिए कमर कस लिया है। इन तैयारियों के बीच एक बात तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार की ही अगुआई में चुनावी मैदान में उतरने जा रहा है। पिछले साल नीतीश और लालू के मिलने की खबरिया कानाफूसी हो रही थी, उन्हीं दिनों पहले अमित शाह और बाद बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दोनों नीतीश के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने में देर नहीं लगाई। वहीं विपक्षी खेमे की कमान बीमारी के बावजूद लालू यादव ने अपने हाथ में ले ली है।

जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्बत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है। एनडीए अगर बिहार की सत्ता से अलग में कभी दूर हुआ भी है तो उसकी वजह खुद नीतीश का उसका साथ छोड़ना रहा है।

नीतीश कुमार की अगुआई में 2005 में बिहार की सत्ता पर एनडीए के काबिज होने के बाद बिहार की अराजक छवि में तेजी से बदलाव हुआ। शासन की गाड़ी पटरी पर लगातार आती गई। नीतीश के पहले बिहार में बिजली के दर्शन कभी–कभी होते थे, लेकिन बाद में हालात बदले। बिहार की सड़कें देश और दुनिया में अपनी बदहाली के लिए जानी जाती थीं, लेकिन नीतीश ने उन्हें भी बदला। लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिलों की सौगात मिली। कभी माफिया, अपहरण और वसूली के लिए बदनाम बिहार की छवि बदलने लगी। इसके बाद नीतीश कुमार की भी नई छवि बनी, उन्हें नया नाम भी मिला, सुशासन कुमार। पंद्रह साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में नीतीश की पार्टी की सीटें घटीं। हाल के दिनों में उनके कुछ बयानों पर सवाल भी उठे, इसके बावजूद बिहार की राजनीति का सबसे चमकदार चेहरा अब भी नीतीश कुमार ही हैं। शायद यही वजह है कि एनडीए एक बार नीतीश कुमार के ही चेहरे के साथ मैदान में उतरने जा रहा है। एनडीए और जनता दल यू को लगता है कि इस जंग में इस बार सियासी कामयाबी दिलाने में मददगार नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा ही हो सकती है। इसलिए सत्ताधारी खेमे की ओर से एक तरफ जहां विकास को मुद्दा बनाने की तैयारी है, वहीं विकास के सिलसिले में नए आयाम जोड़ने को लेकर तेजी से काम हो रहा है। इसी के तहत नीतीश सरकार सड़क और पुल निर्माण जैसे विकास कार्यों को जमीन पर उतारने की तैयारी तेज कर दी है।

एनडीए के साथ ही बिहार के सियासी जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह यात्रा बिहार के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। क्योंकि नीतीश सरकार की नीतियों की वजह से पहले से ही समूचे राज्य में बुनियादी सुविधाओं में तेजी से सुधार हो रहा है। अपनी सरकार की उपलब्धियों के साथ ही लोगों की राय जानने के लिए कुछ दिनों पहले से नीतीश कुमार ने राज्य में प्रगति यात्रा की। इस यात्रा के दौरान नीतीश ने राज्य के तमाम जिलों में लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए सुनवाई की जगह पर ही अधिकारियों को सीधे निर्देश दिए। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। विशेष रूप से सड़क निर्माण, बाईपास और उच्चस्तरीय रेलवे ओवर ब्रिज की योजनाओं पर जोर दिया गया, ताकि राज्य में आवागमन की सुगमता बढ़े और यात्रा समय में कमी आए।

प्रगति यात्रा के ही दौरान नीतीश कुमार ने 20,000 करोड़ रुपये की 188 योजनाओं की घोषणा की, जिनमें 121 योजनाओं को मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिल चुकी है और उन्हें जमीनी हकीकत बनाने को लेकर तेजी से काम शुरू हो चुका है। इनमें से कई योजनाएं ग्रामीण सड़कों को बेहतर बनाने, उनका पुनर्निर्माण करने और उनकी हालत पहले की तुलना में और बेहतर बनाने को लेकर हैं। इस दौरान समस्तीपुर और मधेपुरा जिलों में महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। साथ ही, सीवान, छपरा, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर जिलों में सड़क चौड़ीकरण, बाईपास और पुल निर्माण कार्यों के लिए भी भारी धनराशि स्वीकृत की गई है। सत्ताधारी खेमे का दावा है कि नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और कड़ी मेहनत की वजह से बिहार का तकरीबन हर गांव पक्की और चौड़ी सड़कों से जोड़ा जा रहा है। बहुत सारी सड़कें तैयार भी हो चुकी हैं। जिनकी मदद से बिहार के किसी भी कोने से पहले की तुलना में राजधानी पटना पहुंचना कहीं ज्यादा आसान हुआ है। इसकी वजह से लोगों के समय और ईंधन की बचत हो रही है। नीतीश की अगुआई में 2010 में मिली दूसरी जीत में बेहतर सड़कों की बड़ी भूमिका रही। शायद यही वजह है कि नीतीश कुमार ने सड़कों और बुनियादी सुविधाओं के लिए खजाना खोल दिया है।

नीतीश के लिए चुनौती शराबबंदी बनी हुई है। सरकारी तंत्र के भ्रष्टाचार की वजह से शराब की तस्करी बढ़ी है। हालांकि शराबबंदी से महिलाएं खुश हैं। नीतीश को इस चुनौती से पार पाना होगा। वैसे प्रशांत किशोर जैसे उनके पुराने साथी विपक्षी खेमे की ओर से इसे बड़ा मुद्दा बना रहे हैं। फिर भी कह सकते हैं कि बिहार की आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ा नीतीश सरकार का पहिया अब भी प्रमुख मुद्दा है। उम्मीद की जा रही है कि चुनावों की घोषणा होने तक नीतीश और बीजेपी इसे अपनी उपलब्धि के तौर पर प्रचारित और विस्तारित करते रहेंगे। यह सच है कि जातिवाद से ग्रस्त बिहार की राजनीति पर विकास की राजनीति भारी पड़ती रही है। शायद यही वजह है कि नीतीश सरकार विकास पर जोर दे रही है और इसे ही अपना सियासी हथियार बनाने की तैयारी में है।–लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

गोबर फेंकने को लेकर दो पक्ष आमने–सामने
फायरिंग में बच्ची समेत चार घायल

संवाददाता–गोण्डा। बृहस्पतिवार की सुबह आबादी की जमीन में गोबर फेंकने को लेकर पटीदारों में कहासुनी हो गई। दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए। एक पक्ष की तरफ से हुई फायरिंग में एक साल की मासूम बच्ची समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज लाया गया। जहां उपचार के दौरान दो लोगों को नाजुक हालत में लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। अभी इस मामले में किसी तरफ से पुलिस को तहरीर नहीं मिली है। फायरिंग की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एहतियातन गांव में पुलिस तैनात कर दी गई है। घटना परसपुर थाना क्षेत्र के बघईपुरवा परेटा गांव की है। प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह ने बताया कि बघईपुरवा परेटा निवासी हीरालाल मिश्रा व काली प्रसाद के घरों के बीच आबादी की जमीन है। इसी जमीन पर हीरालाल के परिवार का अटल मिश्रा सुबह करीब आठ बजे आबादी की भूमि पर गोबर फेंकने गए थे। इसी दौरान काली प्रसाद ने विरोध किया तो कहासुनी शुरू हो गई।

विवाद के दौरान ही किसी ने तमंचे से फायर कर दिया। गोली लगने से हीरालाल (50) उनकी बेटी कामिनी (20), अन्नपूर्णा (22) व एक साल नातिन अनन्या घायल हो गई। घायलों को मेडिकल कॉलेज लाया गया। जहां हीरालाल व कामिनी की नाजुक हालत देखकर डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। गांव में एहतियातन एक दरोगा व चार सिपाहियों की ड्यूटी लगाई गई है।

जिले में चार स्थानों पर बनेगा होमियोपैथ चिकित्सालय

संवाददाता–महराजगंज। जिले में होमियोपैथी चिकित्सा इंतजाम का बुनियादी ढांचा मजबूत करने के लिए शासन स्तर से पहल शुरू हुई है। जिले में चार स्थानों पर होमियोपैथ चिकित्सालय का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए जगह चिन्हित होने के बाद शासन से कार्यदायी संस्था को स्वीकृत बजट भी आवंटित कर दिया गया है। कार्यदायी संस्था जल्द ही चिकित्सालय का निर्माण कार्य शुरू कराएगी। जिला होमियोपैथ चिकित्सा विभाग के अनुसार घुघली, बृजमनगंज, चिउटहा व बारगाहपुर में होमियोपैथ चिकित्सालय भवन का निर्माण के लिए शासन से स्वीकृति मिल चुकी है। तीस–तीस लाख की लागत से चिकित्सालय बनेगा। इसके लिए कार्यदायी संस्था सी एंड डीएस का चयन हुआ है। भवन निर्माण के लिए किश्त कार्यदायी संस्था को आवंटित की जा चुकी है। इन चारों क्षेत्रों में होमियोपैथ चिकित्सालय बन जाने से लोगों को मर्ज का इलाज कराने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

फरेंदा क्षेत्र के बारगाहपुर में होमियोपैथ चिकित्सालय के लिए जिला प्रशासन ने 320 स्क्वायर मीटर भूमि का आवंटन किया है। तीस लाख रुपये की लागत से चिकित्सालय बनेगा। यहां कुल 0.498 हेक्टेयर भूमि है।

यहां कस्तूरबा विद्यालय निर्माण के लिए भी कार्यदायी संस्था प्रयास कर रही थी। होमियोपैथ चिकित्सालय के लिए भूमि कम पड़ने का हवाला दिया जा रहा था। मामला संज्ञान में आने के बाद होमियोपैथ विभाग के जिम्मेदार मौके पर पहुंचे। बताया कि चिकित्सालय के लिए भूमि आवंटित है। मापजोख के बाद गतिरोध को विभाग ने दूर करा दिया। अब वहां होमियोपैथ चिकित्सालय के निर्माण की राह आसान हो गई है।

जिला होमियोपैथ अधिकारी डॉ. राजेश कुमार द्विवेदी ने कहा, जिले स्तर से प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया था। स्वीकृति मिल चुकी है। प्रशासन ने चिकित्सालय के लिए भूमि का भी आवंटन कर दिया गया है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा। इसके लिए कार्यदायी संस्था को दिशा निर्देश जारी किया गया है। यह चारों चिकित्सालय बन जाने से होमियोपैथ चिकित्सा के लिए लोगों को दूर नहीं जाना होगा।

शादी में डीजे बजाने को लेकर हुई चाकूबाजी, लड़की के भाई की मौत , दो गंभीर

संवाददाता–कुशीनगर। हाटा कोतवाली के पैकौली लाला में बुधवार की रात लगभग एक बजे बारात में डीजे चलाने को लेकर हुए विवाद में वर पक्ष के लोगों ने लड़की के भाई व दो अन्य चाकू से वार कर दिया। इस हादसे में लड़की का एक भाई की मौके पर मौत हो गई। वही लड़की का दूसरा भाई व रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों का गोरखपुर में एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद वगैर शादी के ही बारात लौट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वर पक्ष के लोगों को हिरासत में ले लिया है। कार्रवाई में जुटी हुई है।

हाटा कोतवाली के पैकौली लाला निवासी मोहनलाल पासवान के घर बुधवार की रात उनकी लड़की की शादी थी। देवरिया जिले के थाना रुद्रपुर के जोगिया से बारात आयी हुई थी। द्वारपूजा, जयमाला कार्यक्रम संपन्न होने के बाद रात लगभग एक बजे गुरहथन का कार्यक्रम चल रहा था। इसी बीच दरवाजे पर बज रहे डीजे को लड़की पक्ष के लोगों ने बंद करा दिया। जिसको लेकर वर पक्ष के लोग आक्रोशित होकर गाली गलौज करने लगे। इस दौरान लड़की के भाई अजय पासवान पुत्र मोहन लाल उम्र 22 वर्ष, सत्यम पुत्र मोहन लाल उम्र 17 वर्ष व रिश्तेदार रामा पर धारदार चाकू वार कर लहूलुहान कर दिया।

आनन फानन में लड़की पक्ष के परिजन तीनों घायलों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुकरौली ले गये। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। परिजन इलाज के लिए ले जा रहे थे कि रास्ते में लड़की के भाई अजय पासवान की मौत हो गई। लड़की के एक अन्य भाई सत्यम व रिश्तेदार रामा उम्र 30 वर्ष का इलाज गोरखपुर के निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद लड़की की बिना शादी किये ही बारात वापस लौट गई। सूचना पर पहुंचे कोतवाल हाटा सुशील कुमार शुक्ला मय फोर्स मृतक लड़की के भाई के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा तथा वर पक्ष के लोगों को हिरासत में ले लिया। हाटा कोतवाल, सुशील कुमार शुक्ला ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पैकौली लाला में डीजे बजाने को लेकर हुए विवाद में लड़का पक्ष के लोगों ने चाकू से हमला कर लड़की के भाई व रिश्तेदार समेत तीन को घायल कर दिया है। लड़की के एक भाई की मौत हो गई है। पुलिस लड़की पक्ष की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज मामले जांच में जुटी हुई है।

बाइक सवार महिला को ट्रक ने कुचला, मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। गुरुवार को ट्रक ने बाइक सवार महिला को कुचल दिया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसा देख भागकर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लिया है। ट्रक को कब्जे में लिया है। हादसा गिलौला थाना क्षेत्र के गिलौला कस्बा में हुआ। हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के बैदौरा गांव के मजरा भटवा निवासी अमरिका की पुत्री का विवाह बहराइच के पयागपुर थाना क्षेत्र के पैड़ी गांव में हुआ है। बुधवार को उसके बेटे का बरही संस्कार था। इसमें शामिल होने के लिए अमरिका की पत्नी जगराना (55) अपने पुत्र ननकऊ उर्फ श्रीधर व छोटी बेटी मीना के साथ पैड़ी गई थी। गुरुवार को वहां से तीनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे। गिलौला बस अड्डा के सामने बलरामपुर की तरफ से आ रहे ट्रक ने अनियंत्रित होकर बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद जगराना बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरी। ट्रक उसे रौंदते हुए आगे बढ़ गया। वहीं श्रीधर व मीना बाल–बाल बच गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। मौके पर मौजूद पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया। ट्रक को कब्जे में लिया है। खबर मिली तो परिवार के लोग रोते बिलखते पहुंचे। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्निहोत्री ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर मामला दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कुंभ स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं की पिकअप पलटी, एक की मौत

संवाददाता–देवरिया। जिले के एकौना थाना क्षेत्र के नगवा खास के समीप बुधवार की रात कुंभ स्नान करने प्रयागराज जा रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। उपचार के लिए उन्हें महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज देवरिया पहुंचाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की। पड़ोसी प्रांत बिहार के सिवान जनपद के तरवारा थाना क्षेत्र के ग्राम तरवारा उसरी व आसपास के गांव के लोग बुधवार की रात को पिकअप से स्नान करने के लिए प्रयागराज जा रहे थे, अभी वे एकौना थाना क्षेत्र के नगवा खास के अंधेरा मोड़ के समीप पहुंचे थे कि अचानक उनकी पिकअप अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। जिससे पिकअप में सवार लगभग 21 लोग घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने रोहित प्रसाद (30) पुत्र वीरेन्द्र प्रसाद निवासी तरवारा उसरी, सिवान को मृत घोषित कर दिया। जबकि गोल्डेन की हालत गंभीर देख बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया। अन्य का उपचार महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज में कराया गया। उधर उसरी में मौत की सूचना पहुंचते ही परिवार में मातम छा गया।

दूसरों को न्याय दिलाने वाले खुद बुनियादी जरूरतों की जंग लड़ रहे

संवाददाता–गोण्डा। मंडल मुख्यालय पर कमिश्नर कोर्ट समेत आठ दर्जन से ज्यादा अदालतों में रोजाना ढेरों मुकदमों की सुनवाई होती है। इसके लिए कचहरी में रोजाना छह से सात हजार लोगों की आवाजाही रोज होती है। इनमें तीन हजार से ज्यादा अधिवक्ता शामिल नहीं है। सिर्फ दीवानी कचहरी की बात करें तो 32 अदालतों पर रोजाना बड़ी संख्या में मुकदमे सुने जाते हैं। हालांकि यहां 22 अदालतों में पीठासीन अधिकारी नहीं है। इन अदालतों में लोगों के मुकदमों की पैरवी करने वाले अधिवक्ता कई तरह की समस्याओं से जूझ रहे हैं। इनमें बैठने की उचित व्यवस्था, शौचालय, स्वच्छ पेयजल और चिकित्सा सुविधा जैसे जरूरी मुद्दे शामिल हैं। जिला बार एसोसिएशन सभागार में हिन्दुस्तान की ओर से आयोजित चौपाल में वकीलों ने कहा कि विधि व्यवसाय की शुरुआत करने में काफी संघर्ष झेलना पड़ता है। बार कौंसिल से पंजीकृत होकर आने वाले नए अधिवक्ताओं को जीविकोपार्जन के लिए काफी पापड़ बेलना पड़ता है। इसके बावजूद उन्हें अधिकांश दिन खाली हाथ वापस जाना पड़ता है। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ न होने के कारण वह न चौंबर बना पाते हैं और न ही जरूरी किताबें खरीद पाते हैं। इसलिए बार कौंसिल को जूनियर अधिवक्ताओं को स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन भत्ता अवश्य देना चाहिए। वृद्ध वकीलों को मिले पेंशनरूवकीलों ने कहा कि जब तक शरीर स्वस्थ रहता है तब तक वकील बैठने का नाम नहीं लेता। लेकिन जब वह बीमारी से लाचार अथवा वृद्ध हो जाता है तो उसका आय का स्रोत बंद हो जाता है। इसकी वजह से उन्हें दूसरे पर निर्भर होकर जीवन गुजारना पडता है। स्वाभिमान से जीने के लिए सरकार और बार कौंसिल को ऐसे वकीलों को पेंशन योजना का लाभ देना चाहिए। कलेक्ट्रेट या सिविल बार में स्वास्थ्य केंद्र या एंबुलेंस की व्यवस्था न होने से आए दिन वकीलों के साथ कचहरी में ही अप्रिय घटना घट जाती है। अधिकांश वकील बीमारी की हालत में भी कचहरी आते हैं और अचानक तबीयत बिगड़ने पर उनके प्राथमिक उपचार की कोई व्यवस्था न होने के कारण अनहोनी हो जाती है।

कचहरी परिसर हो अथवा कलेक्ट्रेट चारों तरफ गंदगी फैली रहती है। सफाई कर्मचारियों को अफसरों से नहीं फुर्सत मिलती। जिसका आलम यह है कि चारों ओर गंदगी का साम्राज्य फैला है। वकीलों ने बताया कि कचहरी में जो दो शौचालय हैं उसमें कोई गंदगी के कारण जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाता। सबसे ज्यादा समस्या महिला अधिवक्ताओं व वादकारियों को होती है।

कचहरी में खूंखार अपराधियों के विरुद्ध मुकदमा लड़कर उन्हें जेल भिजवाने का काम वकील करता है चाहे वह अभियोजन की ओर से हो अथवा बचाव पक्ष खतरा दोनों को रहता है। लेकिन सरकार ने वकीलों की सुरक्षा के लिए कोई महत्वपूर्ण फैसला नहीं लिया। जबकि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने के लिए वकील बरसों से मांग कर रहे हैं।

वकीलों ने बताया कि कहने को कचहरी के सभी गेटों पर कैमरे लगे हैं लेकिन चालू हालत में नहीं हैं। जिससे आये दिन वकीलों व वादकारियों की साइकिल व मोटरसाइकिल गायब हो जाती है। यदि कैमरे चालू हालत में रहें तो चोर–उचक्कों का पता आसानी से लगाया जा सके। वहीं, कचहरी परिसर में स्थापित पुलिस चौकी सिर्फ नाम की है, जो कमजोर लोगों को भले रोक टोक करके परेशान करती है लेकिन प्रभावशाली व्यक्तियों के वाहन को न रोकती है न टोकती है जो धड़ल्ले के साथ कचहरी परिसर में घूमते रहते हैं।

कलेक्ट्रेट में पार्किंग की व्यवस्था न होने के कारण बाहरी वाहनों का जमावड़ा रहता है जिससे अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न रहती है। बाहरी लोग अपना वाहन कलेक्ट्रेट में खड़ा करके दिन भर अपना काम निपटाते हैं और शाम को अपना वाहन लेकर चले जाते हैं। इन्हीं वाहनों के चक्कर में दो नंबर गेट के सामने अक्सर जाम लगा रहता है। वकीलों ने बताया कि नई बिल्डिंग में बनी अदालतों के शौचालय की इतनी नारकीय है कि भीषण दुर्गंध के कारण उधर से गुजरना मुश्किल होता है। कोई भी सफाई कर्मचारी साफ–सफाई करना मुनासिब नहीं समझता और न ही न्याय प्रशासन द्वारा ही इसके जिम्मेदारों के विरुद्ध कोई संज्ञान लिया जाता है। इससे महिला अधिवक्ताओं के साथ महिला वादकारियों को काफी दुश्वारी का सामना करना पड़ता है। अधिवक्ताओं ने बताया कि राजस्व अदालतों पर काम करने वाले अफसरों और कर्मियों की कार्यशैली निरंकुश हो गई है। यहां पर कोई भी काम बिना सुविधा शुल्क दिए होना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। आये दिन पेशकार व राजस्व अधिकारियों के घूस लेते वीडियो वायरल होते रहते हैं। यही नहीं इन अदालतों पर तैनात अफसर प्रशासनिक कार्य की आड़ में नियमित रूप से कोर्ट पर बैठते भी नहीं है। इससे वादकारियों को न्याय के लिए वर्षों तहसील का चक्कर लगाना पड़ता है।

वकीलों ने बताया कि राजस्व के वर्षों से लंबित मुकदमे पड़े हुए हैं। लेकिन शासन के चाबुक से बचने के लिए अधिकारियों ने उसकी तरकीब निकाल ली। एक ही दिन में लंबित पड़े सैकड़ों मुकदमों को खारिज कर निस्तारण कर दिया जाता है। फिर उन्हीं मुकदमों का वाद दायर स्वीकार कर नया मुकदमा नंबर जारी कर दिया जाता है। इस खेल में जनता भले फेल हो लेकिन अधिकारी शासन की नजर में पास हो जाते हैं। जिला बार एसोसिएशन की तरफ से अपने सदस्य अधिवक्ताओं को गंभीर रूप से बीमार होने पर जरूरत के मुताबिक मदद दी जाती है। वहीं, सदस्य अधिवक्ता की मृत्यु पर साढ़े छह लाख रुपये की धनराशि पीड़ित परिजनों को दी जाती है। जिला बार की सदस्यता न लेने वाले अधिवक्ता इस लाभ से वंचित रह जाते हैं। हालांकि बार कौंसिल की तरफ से अधिवक्ताओं की मदद का प्रावधान है।

सुरेंद्र कुमार मिश्रा, अध्यक्ष, सिविल बार एसोसिएशन ने कहा कि कचहरी परिसर में साफ–सफाई न होने से गंदगी का साम्राज्य है। इसको लेकर न्याय प्रशासन को पत्र सौंपकर जल्द से जल्द उचित कार्यवाही का अनुरोध करेंगे। हमारे अधिवक्ता साथियों को विभिन्न समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। अगर हमारी मांगें न मानी गई तो हम आंदोलन का रास्ता अख्तियार करेंगे।

राम बुझारत द्विवेदी, अध्यक्ष, जिला बार एसोसिएशन ने कहा कि सिविल कोर्ट परिसर में वकीलों के बैठने की समुचित व्यवस्था न होने के कारण शारीरिक रूप से कमजोर वृद्ध वकीलों को काफी समस्या होती है। साथ ही कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ताओं को पार्किंग, साफ–सफाई जैसी कई दुश्वारियों से जूझना पड़ रहा है। इस दिशा में अफसरों को मांग पत्र देकर उचित व्यवस्था करने का प्रयास किया जाएगा।

28 डिग्री तापमान ने बढ़ाई चिंता, सिंचाई में जुटे किसान

संवाददाता–महराजगंज। फरवरी महीने में दिन में कड़ी धूप होने से ठंड से लोगों को राहत मिल गई है। पर दिन के तापमान में वृद्धि से किसानों के होश उड़ गए हैं। कृषि वैज्ञानिकों ने खेतों में नमी बरकरार रखने को गेहूं की खेती में तीसरी सिंचाई करने का सुझाव दिया है। खेतों की मिट्टी टाइप होने के बाद अधिकतर किसान फसलों की स्थिति देख तीसरी सिंचाई में जुटे हुए हैं। महराजगंज के किसानों ने इस बार 1.45 लाख हेक्टेयर में गेहूं की खेती की है। अधिकतर किसानों ने गेहूं की दूसरी सिंचाई को पूरा कर लिया है। इसके बाद खेतों में यूरिया भी डाल दिया है। खेतों में यूरिया पड़ते ही अधिकतर किसानों की गेहूं की फसल रेड़ा अवस्था में पहुंच गई। कुछ किसानों की गेहूं की फसल पूरी तरह से फूट भी गई है। पर कड़ी धूप के बीच पछुआ हवाओं ने किसानों को चिंता में डाल दिया है। इस समय फरवरी महीने में सामान्य तौर पर हर दिन 26 से लेकर 28 डिग्री से. अधिकतम तापमान रह रहा है। इस तरह के तापमान में गेहूं की खेती को नुकसान पहुंचने की आशंका बन गई है। ऐसे में किसान चिंतित हैं। घुघली क्षेत्र के प्रगतिशील किसान विजय कुमार मिश्रा, सियाराम दास, अजीत सिंह, आदि ने बताया कि इस तरह का मौसम होली के बाद होना चाहिए था। तापमान में इसी तरह से वृद्धि होगा तो गेहूं की उत्पादकता पर ज्यादा असर पड़ेगा।

फरवरी महीने में दिन में कड़ी धूप होने से कृषि वैज्ञानिक भी चिंतित हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र बसुली के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शिवपूजन यादव ने बताया कि रबी फसलों के लिए निरन्तर तापमानों में वृद्धि ठीक नहीं है। दिन में 28 डिग्री से. तापमान गेहूं की खेती के लिए ठीक नहीं है। गेहूं की खेती के लिए दिन में 23 डिग्री तापमान अनुकूल रहता है। पर तीन से पांच डिग्री अधिक तापमान उत्पादन पर असर डाल सकता है। इसी प्रकार कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. विजय चंद्रा, त्रिवेणी तिवारी ने बताया कि इस तरह के मौसम में किसान अपनी गेहूं की खेती में पर्याप्त नमी बनाएं रखें।

मेडिकल कालेज को मिले 25 करोड़, जिलेवासियों में खुशी

संवाददाता–बलरामपुर। राज्य बजट 2025–26 में बलरामपुर को भी सौगात मिली है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए अटल बिहारी वाजपेयी स्वशासी राज्य मेडिकल कॉलेज के संचालन के लिए सरकार ने 25 करोड़ रुपए दिए हैं। इससे मेडिकल कॉलेज में प्रस्तावित कार्यों को कराया जाएगा। इसी तरह बजट में कई अन्य घोषणाएं भी की गई हैं जिससे किसान, व्यापारी सहित अन्य वर्गों के लोग भी उत्साहित हैं। सभी ने एक स्वर में राज्य सरकार के इस बजट को एक समावेशी बजट बताते हुए इसकी सराहना की है। गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधान सभा में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने जैसे ही बजट भाषण पेश किया लोगों की निगाहें उन पर टिक गईं। लोगों ने टेलीविजन पर सामूहिक रूप से बजट भाषण को देखा और सुना। बजट में बलरामपुर के लिए सबसे खास बात यह रही कि चिकित्सा महाविद्यालय को 25 करोड़ रुपए दिए गए हैं। यहां यह बताना आवश्यक है कि बलरामपुर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर 300 बेड के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का निर्माण हो चुका है। इस मेडिकल कॉलेज में उसके बगल स्थित 166 बेड के संयुक्त जिला चिकित्सालय को समाहित किया गया है। साथ ही सौ बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट भी निर्माणाधीन है। इस प्रकार कुल मिलाकर यह मेडिकल कॉलेज 566 बेड का होगा। मेडिकल कॉलेज के एकेडमिक ब्लॉक, छात्रावास, प्रशासनिक भवन, प्रोफेसर्स आवास के साथ साथ 20 विभागों के ओपीडी कक्ष बनाए जाने हैं। माना जा रहा है कि बजट में राज्य सरकार ने मेडिकल कॉलेज को जो 25 करोड़ रुपए दिए हैं उससे अधूरे कार्यों को कराया जाएगा जिससे मेडिकल कॉलेज का संचालन शीघ्र शुरू हो सके। मेडिकल कॉलेज को मिले बजट से जिलावासियों के साथ साथ चिकित्सा जगत से जुड़े लोग भी उत्साहित हैं। लोगों का कहना है कि बजट मिलने से अधूरे कार्यों में तेजी आएगी। मेडिकल कॉलेज का संचालन शुरू होने से जिलेवासियों को बेहतर चिकित्सीय सुविधा का लाभ मिलेगा। राज्य सरकार के इस भारी भरकम बजट पर हिंदुस्तान ने लोगों की प्रतिक्रियाएं भी इस पर लीं। बजट पर लोगों ने बेबाकी से अपनी राय रखते हुए इसे सर्व समावेशी बताया। लोगों ने कहा कि यह बजट युवाओं, महिलाओं, किसानों तथा गरीबों को समर्पित है। धार्मिक स्थलों के विकास पर जोर देने के साथ–साथ सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर पर फोकस किया है। लोगों ने कहा कि यह खुशी की बात है कि यूपी बीमारू प्रदेश के दायरे से बाहर आया है। पीएम सम्मान निधि के लिए भी सरकार ने बजट दिया है। एक जनपद एक उत्पाद को बढ़ावा मिलता रहेगा। औद्योगिक क्षेत्र के विकास में भी नए आयाम दिखाई पड़ेंगे। लोगों ने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयास से उत्तर प्रदेश में काफी निवेश प्राप्त हुआ है जिससे युवाओं के सामने रोजगार के अवसर प्राप्त बढ़ेंगे। लोग आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। लोगों ने कहा कि प्रदेश में संगठित अपराध का सफाया करने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। लोगों ने कहा कि मुफ्त डायलिसिस सुविधा, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन योजना, चिकित्सा शिक्षा, आयुष्मान भारत एवं आयुर्वेदिक यूनानी अस्पतालों पर सरकार ने ध्यान दिया है जो बेहतर है।

49 केन्द्रों पर 22 हजार परीक्षार्थी देंगे यूपी बोर्ड परीक्षा

संवाददाता–श्रावस्ती। 24 फरवरी से यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। परीक्षा को लेकर प्रशासन की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में डीएम व एसपी ने अधिकारियों संग बैठक कर नकल विहीन परीक्षा कराने के निर्देश दिए। बैठक डीएम अजय कुमार द्विवेदी व एसपी घनश्याम चौरसिया की अध्यक्षता में हुई। जिसमें परीक्षा व्यवस्था में लगे जोनल, सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट के साथ अन्य अधिकारी शामिल हुए। डीएम ने कहा कि 24 फरवरी से 49 परीक्षा केन्द्रों पर यूपी बोर्ड की परीक्षा शुरू होगी। परीक्षा को सकुशल कराने के लिए तीन जोनल, 12 सेक्टर व 49 स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। वहीं सभी उपजिलाधिकारियों को उनके सबडिविजन का ओवरआल इन्चार्ज बनाया गया है। जो जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में परीक्षा के दौरान भ्रमणशील रह कर नकल विहीन परीक्षा कराएंगे। डीएम ने कहा कि हाईस्कूल के 12 हजार 562 व इण्टरमीडिएट के 9871 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इस तरह इस बार कुल 22 हजार 433 परीक्षार्थी यूपी बोर्ड परीक्षा में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने सभी जोनल, सेक्टर, स्टेटिक मजिस्ट्रेट तथा केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान ईमानदारी से सौंपे गये दायित्वों का पालन कर नकल विहीन परीक्षा कराएं। परीक्षार्थियों को कोई भी असुविधा न हो। सीटिंग व्यवस्था मानक अनुसार होनी चाहिए। लाइट, पेयजल, शौचालय, सीसीटीवी समेत सभी व्यवस्थाएं पहले ही दुरुस्त करा लें। परीक्षा केन्द्र से 200 मीटर की दूरी से ही प्रवेश पूरी तरह से वर्जित रहेगा। परीक्षा केन्द्रों में नियमित सीसीटीवी कैमरों व वाइस रिकार्डर की जांच की जाएगी। वहीं एसपी ने कहा कि संवेदनशील व अतिसंवेदनशील परीक्षा केन्द्रों की सघन जांच करें। इसके लिए सशस्त्र पुलिस बल की पर्याप्त व्यवस्था कर दी गई है। परीक्षा के दौरान परीक्षा केन्द्र के पास भीड़ एकत्र न होने पाए। इसका ध्यान रखा जाय। इस मौके पर सीडीओ अनुभव सिंह, एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा, एएसपी प्रवीण कुमार यादव, एसडीएम भिनगा आशीष भारद्वाज, एसडीएम इकौना ओम प्रकाश, एसडीएम जमुनहा एसके राय, डीआईओएस मिथलेश कुमार, बीएसए अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

बालश्रम व बाल विवाह रोकने पर हुई चर्चा

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार कक्ष में गुरुवार को विशेष किशोर पुलिस इकाई की मासिक बैठक हुई। बैठक में बाल श्रम, बाल विवाह रोकने व पोक्सो एक्ट पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता सीओ भिनगा संतोष कुमार व सीओ जमुनहा सतीश कुमार शर्मा ने की। जिसमें पॉक्सो एक्ट के साथ ही बाल विवाह रोकने व सरकार की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। संतोष कुमार ने पीड़िता के आवासन, बाल गुमशुदा, बाल श्रम, नशामुक्ति अभियान, बाल विवाह, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम, लैंगिक समानता, नारी शक्ति के संबंध में चर्चा की। उन्होंने बताया कि यदि किसी बाल अपचारी की ओर से कोई घटना की जाती है तो अधिनियम में दिए गए प्रावधानों के अनुसार ही कार्यवाही करें। सभी बाल कल्याण अधिकारियों को क्षेत्र में जाकर सरकार की ओर से बाल श्रम के विरुद्ध चलायी जा रही योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करें। जिससे योजनाओं का लाभ सभी तक पहुंचाया जा सके। इण्डो नेपाल सीता क्षेत्र से सटे गांवों में चौपाल लगाकर बाल विवाह न करने के लिए प्रेरित करें साथ ही वहां के ग्राम प्रहरियों को बताएं कि बाल विवाह से सम्बन्धित कोई मामला संज्ञान में आये तो पुलिस व सीडब्लूसी को सूचना दें। कार्यस्थल पर कामकाजी महिलाओं के सभी प्रकार के उत्पीड़न को रोकने के लिए विशेष बल दिया जाय। बैठक में प्रभारी निरीक्षक व प्रभारी एएचटी मोहम्मद दानिश आजम, प्रभारी यातायात मोहम्मद शमीम, प्रभारी मीडिया सेल शशि शेखर जरोरा, डिप्टी सीएमओ डा रोहित, अध्यक्ष किशोर न्याय बोर्ड विश्राम पासवान आदि मौजूद रहे।

छह बोटा सागौन बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। सोहेलवा जंगल वन माफियाओं के निशाने पर है। आए दिन लकड़कट्टे जंगल के कीमती पेड़ों को काटकर लकड़ी पार कर ले जाते हैं। बुधवार शाम को वन विभाग की टीम ने पेड़ काटते दो आरोपियों को धर लिया और मौके से छह बोटा लकड़ी व औजार बरामद किया। बुधवार शाम को पूर्वी सोहेलवा जंगल के पश्चिमी बीट में वन रक्षक अखिलेश शर्मा, अजय कुमार, विवेक शुक्ला व वाचर बाबूराम गश्त पर थे। इस दौरान टीम वन क्षेत्र गब्बापुर कम्पार्ट संख्या एक में पहुंची जहां कुछ व्यक्तियों के होने की आहट मिली। जिस पर वन कर्मी सतर्क हो गए और दबे पांव मौके पर जा पहुंचे जहां कुछ लोगों ने सागौन के पेड़ काटे थे और काटे गए पेड़ का बोटा बना रहे थे। वन विभाग की टीम को देखते ही आरोपी मौके से भागने लगे। इस पर टीम ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को पकड़ लिया।

जयपुर से अयोध्या पहुंचेंगे परकोटे, सप्त मंदिर के साथ राम दरबार की मूर्तियां भी रहेंगी शामिल

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या स्थित राम मंदिर निर्माण समिति की तीन दिवसीय बैठक गुरुवार को संपन्न हो गई। बैठक के बाद निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि 15 मार्च से 30 अप्रैल के बीच सभी मूर्तियां जयपुर से अयोध्या पहुंच जाएंगी। चाहे वह परकोटे की मूर्ति हो या फिर सप्त मंदिर की या फिर राम दरबार की, सभी मूर्तियां जयपुर से अयोध्या पहुंच जाएगी।

बताया कि इसके बाद सभी मूर्तियां मंदिरों में स्थापित की जाएंगी। राम मंदिर की तकनीकी व्यवस्था जिसे एसओपी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर कहा जाता है, वह कैसे किया जाएगा, इस पर बैठक में चर्चा हुई। मंदिर में फसाड लाइटिंग के लिए रिक्वेस्ट प्रपोजल भेजा जाएगा। इस पर काम चल रहा है। राम मंदिर में फसाड लाइटिंग के लिए हाइब्रिड मॉडल का प्रयोग किया जाएगा। इसमें प्रोजेक्टर भी होगा। प्रोजेक्टर परकोटे पर हाइब्रिड मॉडल का प्रोजेक्टर रखकर मूर्ति और मंदिर पर लाइटिंग करने का विचार किया जा रहा है। रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल में चार कंपनियों ने रुचि दिखाई है। मूर्ति और मंदिर पर लाइटिंग के दौरान छाया न पड़े। इसलिए हाइब्रिड मॉडल का प्रयोग किया जाएगा।

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि जब हाइब्रिड मॉडल का इस्तेमाल होगा तो उस लाइटिंग के दौरान छाया नहीं पड़ेगी। जो कंपनियां हाइब्रिड मॉडल दे सकेंगी, उन्हीं को ही रिक्वेस्ट प्रपोजल भेजा जाएगा। अगले 15 दिन में उनसे तकनीकी ऑफर प्राप्त करके उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

अभिषेक हत्याकांड फरार मानवेंद्र सिंह ने देवरिया न्यायालय में किया सरेंडर

संवददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के बेलघाट में अभिषेक सिंह हत्याकांड के फरार आरोपी मानवेंद्र सिंह ने देवरिया को में आत्मसमर्पण कर दिया। 2019 के एक आर्म्स एक्ट मामले में मानवेंद्र ने सरेंडर किया है। इसके पहले बुधवार की रात में दूसरे आरोपी ज्ञानेंद्र सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में मानवेंद्र के साथ कुछ और लोग भी नामजद थे। मामले में मिली जमानत को निरस्त करवा कर मानवेंद्र सिंह ने सरेंडर किया है। इससे पहले, मानवेंद्र सिंह के पहले बिक्कू सिंह और ज्ञानेंद्र सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। 2019 में देवरिया कोतवाली में 106ध्19 के मुकदमा संख्या से केस दर्ज हुआ था। आर्म्स एक्ट मामले में मानवेंद्र सिंह भी आरोपी था। इस केस में देवरिया में रहने वाले मानवेंद्र सिंह के रिश्तेदार आनंद सिंह ने जमानत ली थी। बृहस्पतिवार को आनंद ने जमानत निरस्त करवा दी। इसी आधार पर मानवेंद्र सिंह ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया।

बेलघाट थाना क्षेत्र के ग्राम सोपाई में 16 फरवरी की देर रात करीब 2 बजे शादी कार्यक्रम से वापस आते समय अभिषेक सिंह उर्फ चंचल (31) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अभिषेक सिंह भी अपने गांव के ही तीन युवकों के साथ बरात गया था। पिता अशोक व चचेरे भाई शिवेंद्र सिंह उर्फ शुभम ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि गांव का मानवेंद्र सिंह बालू के खनन का काम करता है। दो दिन पहले उसके भाई शैलेंद्र से अभिषेक की रुपये के लेनदेन को लेकर कहासुनी हो गई थी। जिसके बाद मानवेंद्र ने हत्या करने की धमकी दी थी। रविवार की रात में करीब दो बजे बरात से अभिषेक उर्फ चंचल लौट रहा था।

चौराहे पर जैसे ही बरातियों वाली बस से नीचे उतरा, गांव के चौराहे पर खड़े मानवेंद्र सिंह उसके चचेरे भाई ज्ञानेंद्र सिंह व साथी अतुल सिंह उर्फ बिट्टू ने घेर लिया। पहले इन लोगों ने अभिषेक को पीटा फिर सीने में दाएं तरफ पिस्टल सटाकर गोली मार दी थी।

युवक और युवती ने जहरीला पदार्थ खाकर समाप्त की जीवनलीला

संवाददाता–अंबेडकरनगर। यूपी के अंबेडकरनगर में किशोरी और युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है। गांववालों ने बताया कि दोनों के बीच तीन वर्ष से करीबी रिश्ते थे। किशोरी इंटर की छात्रा थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना हंसवर थाना क्षेत्र की है। बताया गया कि बुधवार देर शाम 17 वर्षीय किशोरी और राजन तिवारी उर्फ जनरायन तिवारी (24) ने अपने–अपने घर में रहकर जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन दोनों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां किशोरी को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

वहीं राजन की हालत नाजुक देखते हुए लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। कोतवाल बीरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि तहरीर नहीं मिली है। सूचना के आधार पर जांच की जा रही है।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं– 369/2024
श्रीमती शीला –सायलान
1. श्रीमती शीला पत्नी स्व0 गौरीशंकर 2. यश विश्वर्मा पुत्र स्व0 गौरीशंकर 3. यशिका विश्वकर्मा आयु लगभग 17 साल अवयस्क पुत्री स्व0 गौरीशंकर द्वारा वादमित्र माता व नैसर्गिक संरक्षिका श्रीमती शीला पत्नी स्व0 गौरीशंकर सभी निवासीगण ग्राम डारीडीहा तप्पा देवरांव पो0 मिश्रौलिया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 25–03–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 25–03–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) /एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–83/2023
मूलवाद सं0–256/95
रामशब्द
बनाम
श्रीराम
1/1/1 श्रीमती दुलारी उम्र लगभग 65 साल विधवा बुद्धिसागर 1/1/2 अनिल कुमार उम्र लगभग 42 साल 1/1/3 मुरलीधर उम्र लगभग 45 साल पुत्रगण स्व0 बुद्धिसागर निवासीगण मौजा नरायनपुर तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 26–03–2025

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 26 माह 03 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–478/1993
अनिरूद्ध प्रसाद
बनाम
सियाराम आदि
3/1 ओंकारनाथ चतुर्वेदी उम्र 60 वर्ष 3/2 रूद्रनाथ चतुर्वेदी उम्र 57 वर्ष 3/3 त्रियुगीनाथ चतुर्वेदी उम्र 55 वर्ष पुत्रगण हरीराम 3/4 सत्यभामा उम्र 65 वर्ष 3/5 उर्मिला उम्र 53 वर्ष 3/6 सत्यावती उम्र 48 वर्ष 3/7 पुष्पा उम्र 40 वर्ष पुत्रीगण हरीराम निवासी मौजा टिकरिया महुआपार तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0–C 20171700711
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन मण्डल बस्ती जिला बस्ती
मुनेसर आदि
बनाम
धर्मेन्द्र आदि
1. धर्मेन्द्र 2. जितेन्द्र पुत्रगण जयराम 3. प्रदीप पुत्र रामभरत 4. रामहित 5. रामजीत 6. राघवराम पुत्रगण रामअचल साकिनान मौजा जोरवा तप्पा चुरेब परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर 7. राजेश पुत्र रामकोमल 8. उदयराज पुत्र रामकुमार 9/1 चन्द्रशेषर 9/2 अंकित पुत्रगण रामकेश 9/3 श्रीमती अनारी पत्नी रामकेश 10. कृष्ण चन्द्र पुत्र रामानुज 11. मालती देवी पत्नी रामानुज 12. पुरूषोत्तम पुत्र रामलखन 13. गंगाराम पुत्र राम आसरे 14. श्रीराम पुत्र राम प्रताप 15. रामदयाल पुत्र टिनकू 16. जगदीश प्रसाद पुत्र दशरथ 17. लक्ष्मन पुत्र भोला 18. उर्मिला पत्नी रामदुलारे 19. रामजनक पुत्र राम अधारे 20/1 रामचन्दर 20/2 शंकर 20/3 सुभाष पुत्रगण वीपत 20/4 पार्वती पत्नी वीपत 21. शिवपूजन पुत्र हुबई साकिनान मौजा जोरवा तप्पा चुरेब परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर 22. विन्ध्याचल पुत्र पलकधारी साकिन लढ़या तप्पा चुरेब 23. द्वारिका हुंबराज साकिन धमैचा तप्पा चुरेब 24. उर्मिला पुत्री रामदुलारे 25. कृष्ण मोहन पुत्र रामलखन 26. गोरख पुत्र भरोस साकिन धमैचा तप्पा चुरेब परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर 27/1 राधेश्याम 27/2 जयसिंह पुत्रगण रामअचल 28. राजधारी पुत्र सुदामा 29. जोखई पुत्र गया 30. ओंकार पुत्र रामदेव 31. नकछेद 32. सत्यराम पुत्रगण दुखरन 33. राजाराम पुत्र रामधनी साकिनान मौज बजभार तप्पा चुरेब परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
34. भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम धमैचा /जोरवा तप्पा चुरेब परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर द्वारा अध्यक्ष/प्रधान 35. उ0प्र0 राज्य सरकार द्वारा कलेक्ट महोदय संतकबीरनगर
–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 24–02–2025

अपील बनराजी अदालत
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 24 महीना 02 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 19 माह02 सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 395/2021
रग्घू
बनाम
लक्ष्मीशंकर आदि
1. लक्ष्मीशंकर पुत्र बुद्धिराम 4. भगवान दास पुत्र सुखराज 6. राजाराम पुत्र श्रीराम 7. मु0 झवरा पत्नी सहदेव निवासीगण मौजा मझौवाखुर्द तप्पा सिकन्दरपुर परगन बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–03–2025

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 03 के 05 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

रामलला का दर्शन करने पहुंचा गृहमंत्री अमित शाह का परिवार

संवाददाता–अयोध्या। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का परिवार देर शाम अयोध्या पहुंचा। अमित शाह की पत्नी सोनल शाह सहित परिवार के आठ सदस्य भी यहां पहुंचे। परिवार ने मीडिया से पूरी दूरी बनाते हुए हनुमान गढ़ी और रामलला के दर्शन किए। सूत्रों के अनुसार बुधवार देर शाम परिवार ट्रेन के माध्यम से यहां पहुंचा था। गुरुवार की सुबह परिवार ने हनुमान गढ़ी और रामलला के दर्शन किए। मालूम हो कि कुछ दिनों पूर्व अमित शाह के पुत्र भी अयोध्या आ चुके हैं।

राष्ट्रपति भवन की तर्ज पर राममंदिर रात में भी चमचमाएगा। राम मंदिर ट्रस्ट यह योजना बना रहा है कि रात में कम से कम दो से तीन घंटे मंदिर को विशेष लाइटों से रोशन किया जाए। जिस तरह राष्ट्रपति भवन रात में जगमगाता है उसी तर्ज पर राम मंदिर भी जगमग हो इस योजना पर बैठक में चर्चा हुई है। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि कई कंपनियों ने अपना–अपना प्रेजेंटेशन दिया है। अलग–अलग कंपनियों ने अलग–अलग पद्धति से मंदिर को जगमग करने का प्रस्ताव दिया है। किस कंपनी को यह काम दिया जाए अभी तय नहीं है। बैठक में चर्चा हुई कि सर्दी के मौसम में शाम छह से नौ व गर्मी के मौसम में रात सात से दस बजे तक मंदिर को रात में विशेष रोशनी से प्रकाशित किया जाए।

बैठक में रामकथा संग्रहालय का भी निरीक्षण किया गया, कार्यों की समीक्षा की गई। चंपत राय ने बताया कि संग्रहालय में 16 प्रकार की गैलरी का निर्माण चल रहा है। हर गैलरी की पटकथा को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। संग्रहालय खुलने में अभी दो साल लगेगा। इस साल दिसंबर तक बिल्डिंग ही बन जाए बड़ी बात है, काम प्रभावित हो रहा है। राम जन्मभूमि परिसर में पाइप लाइन बिछाने को लेकर भी सर्वे किया गया है। अत्यधिक भीड़ के कारण दर्शनपथ पर स्थायी जर्मन हैंगर लगाने का काम नहीं हो पा रहा है। गर्मी आने वाली है, श्रद्धालुओं तेज धूप से बचाने के लिए 1800 मीटर लंबी कैनोपी लगाई जानी है। परिसर के अंदर पूना की एक कंपनी को और बाहर राजकीय निर्माण निगम को कैनोपी लगाने का काम दिया गया है।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 332/2024
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) जिला– सिद्धार्थनगर
रामदीन आदि
बनाम
रजनेश सिंह
1. रजनेश सिंह उम्र करीब 48 वर्ष 2. कुणाल सिंह उम्र करीब 45 वर्ष पुत्रगण जय प्रकाश सिंह निवासीगण ग्राम रूधौली कला पो0 रूद्रनगर तप्पा व तहसील रूधौली परगना मगहर पश्चिम जिला–बस्ती
प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

तारीख पेशी 27–02–2025

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **27–02–2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 10–02–2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायाधीश

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–34/2023
वालमुकुन्द
बनाम
जयमुकुन्द आदि
1. जयमुकुन्द उमर करीब 62 साल 2. बाल गोविन्द उम्र करीब 56 साल पुत्रगण रामसूरत निवासीगण मौजा जगदीशपुर उर्फ लहुरादेवा तप्पा रामपुर पैली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर
–विपक्षीगण प्रथम वर्ग
3. रामआसरे उम्र करीब 70 साल 4. बालदत्त उमर करीब 60 साल 5. बालकेश उम्र 56 साल पुत्रगण स्व0 कन्हैया प्रसाद निवासीगण मौजा जगदीशपुर उर्फ लहुरादेवा तप्पा रामपुर पैली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर
–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 05–03–2025

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 05 माह 03 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 20 माह 02 सन 2025 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 476/95
इस्माइल
बनाम
अतवारी
6/1/1 गाजी सुल्तान 6/1/2 मोहम्मद आजम पुत्रगण अताउल्लाह 6/1/3 नूरी पुत्री अताउल्लाह 6/1/4 शकीला पत्नी स्व0 अताउल्लाह समस्त निवासी ग्राम गायघाट तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 5/1 जमी अहमद 5/2 नवी अहमद पुत्रगण हाजरा 5/3 सायरा बानो पुत्री श्रीमती हाजरा निवासी ग्राम अन्दूपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 27–02–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 27 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

लड़कियों को देखकर गा रहा था अश्लील गाना, पुलिस ने दबोचा

संवददाता–गोरखपुर। रामगढ़ताल इलाके के भरवलिया में महिलाओं और लड़कियों को देखकर फब्तियां कसने और अश्लील गाना गाने के आरोप में एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान भरवलिया के अंकित कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने अश्लील हरकत और गंदे गाकर लोगों को परेशान करने की धारा 296 के अंतर्गत चालान कर उसे कोर्ट में पेश किया।

जानकारी के मुताबिक, जौनपुर जिले के बक्सा निवासी आनंद कुमार पांडेय की तहरीर पर बुधवार को रामगढ़ताल थाने में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस को बुधवार को ही सूचना मिली कि भरवलिया शिव मंदिर के पास अंकित कुमार नाम का युवक राह से गुजरने वाली महिलाओं और लड़कियों को देखकर फब्तियां कस रहा है, गंदे गाने गाकर अश्लीलता फैला रहा है। इससे महिलाओं और लड़कियों को उधर से गुजरने में परेशानी हो रही है। इसके बाद पुलिस ने दबिश देकर आरोपी अंकित को पकड़ लिया। पुलिस को देखकर अंकित माफी मांगने लगा। आगे ऐसी गलती नहीं करने की बात कहने लगा।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0–1464/2024
अदालत– श्रीमान आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती
कमलेश कान्ती
बनाम
दीहल आदि
1. दीहल 2. बनारसी पुत्रगण गरीब 3. रामरूप 4. पुनई पुत्रगण दीहल 5. गनेश 6. दशरथ पुत्रगण बालकेसर 7. बबलू 8. पिन्टू 9. बासुदेव पुत्रगण नागू 10. प्रकाश पुत्र महेश 11. पुनाई पुत्र रामरेख साकिनान हवेली खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
–विपक्षीगण प्रथम वर्ग
12. उ0प्र0 राज्य सरकार द्वारा कलेक्टर बस्ती 13. ग्राम पंचायत हवेली खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती द्वारा प्रधान/अध्यक्ष

तारीख पेशी 21–03–2025

अपील बनराजी अदालत
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 21 महीना 03 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–1448/2022
धर्मराज सिंह आदि
बनाम
अशोक सिंह आदि
1. अशोक सिंह पुत्र रामअवध सिंह 2. मोहम्मद अनीस पुत्र आस मोहम्मद 3. प्रदीप कुमार मद्देशिया पुत्र फूलचन्द्र मद्देशिया 4. किरन देवी पत्नी फूलचन्द्र चौधरी 5. कुलपति अग्रहरि उर्फ बुलबुल पुत्र फुन्नन अग्रहरि 6. रामगोपाल चौधरी पुत्र अशोक चौधरी 7. रामचन्दर चौधरी पुत्र रामहित चौधरी 8. अरूण चौधरी पुत्र रामधनी चौधरी 9. जुग्गीलाल अग्रहरि पुत्र राम उजागिर 10. कंचन सोनी पत्नी दयाशंकर 11. सुदामा पत्नी पल्लू सोनकर 12. शंकर सोनकर पुत्र झिन्नू सोनकर निवासीगण मौजा चिलमा परसन तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
13. जीत बहादुर सिंह 14. बीर बहादुर सिंह 15. पशुपति सिंह 16. सुजान सिंह 17. राकेश सिंह पुत्रगण दीपनरायन सिंह 18. विन्दु सिह पत्नी रणजीत सिंह 19 रवीन्द्र सिंह 20. जोगिन्दर सिंह 21. आकाश सिंह पुत्र रणजीत सिंह 22. सीमा सिंह पत्नी दिनेश सिंह 23. सोनू सिंह 24. अंकुर सिंह पुत्रगण दिनेश सिंह निवासीगण मौजा चिलमा परसन तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 17–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–145/2001
प्रभात कुमार
बनाम
मुन्नीलाल
1/1 जर्नादन 1/2 राकेश उर्फ अदालत 1/3 बाबूराम पुत्रगण स्व0 मुन्नीलाल निवासीगण ग्राम सुकरौली तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com